

ॐ आत्मा ॐ 3.9.15

ध्यान "आत्मा" को वह  
साधना है, जो "परमात्मा"  
के लिये की जाती है,  
"आत्मा" को कोई "अपेक्षा"  
ही नहीं लेनी

बाबा स्वामी  
3/9/15



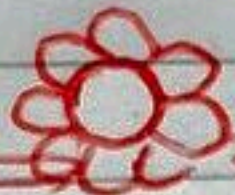
7.9.15

❀ आत्मसाक्षात्कार ❀

"आत्म साक्षात्कार" चीना जिवन्त  
"सद्गुरु" के संभव नहीं हैं,

~~बाबा स्वामी~~

~~7/9/15~~





❀ अधीकृत ❀

8.9.15

"आत्मसाक्षात्कार" वही सदगुरु

करा सकता है, जिसे

सदगुरुओं का सामूहिक शक्तिमान

"अधीकृत" किया है।

बाबा स्वामी

8 | 9 | 15





प्रसाद



10.9.15

आत्म साक्षात्कार तो "सद्गुरु"

की <sup>५</sup> करुणा को प्रसाद

होना है,

~~श्री बाबूवामी~~  
10/9/15



❀ कृपा प्रसाद ❀ 11.9.15

राक <sup>५</sup> झरने के समान "संदगुरु"

के शरीर से कृपा प्रसाद

बरसते रहता है, उसे ग्रहण

करने के लिये आवश्यक है,

की झरने के निचे आया जाय

<sup>१</sup> र-नाम "स्वयंम ही हो जायेगा

~~बाबावामी~~

11 | 9 | 15



## ❀ व्यवहार ❀

12.9.15

"कृपा प्रसाद" कोई कर नहीं  
सकता और न कोई ले सकता  
है, क्योंकि लेना देना तो  
शरीर का व्यवहार है,

बाबा स्वामी  
12/9/15



19.9.15

## अधीकृत माध्यम

"अधीकृत" माध्यम दिखता

"एक" है। लेकिन लाखों  
आत्मारों उसके साथ जुड़ी  
होती है, और वह लाखों  
आत्माओं के साथ जुड़ा  
होता है

शाबा स्वामी

19.9.15





गुरुकार्य



23.9.15

जो कार्य करने से सद्गुरु  
को "दुखः" पहुँचे वह कार्य  
"गुरुकार्य" कैसे हो सकता  
है, क्योंकि "गुरुकार्य"  
तो "सद्गुरु" को "प्रसन्न"  
करने के लिये होता है,

बाबा स्वामी

23.9.15



❀ भाव ❀

25-9-15

शरीर का सम्बन्ध सर्व

शरीर के भाव के साथ

होता है, "शरीर" भाव

समाप्त हो गया तो

शरीर छुट जाता है;

जीवात्वाभी

25/9/15



❀ मापंसद ❀

26.9.15

अनेक लोग अगर "आप" को  
मापंसद करते हैं, तो  
आप अपना "आत्मचिन्तन"  
करो सही क्या कर्मा-मेरे  
में हैं, मुझमें क्या "दोष" हैं।

बाबाल्वाभी  
26/9/15





जडे



27.9.15

"माँ, और "बाप" हमारी "जडे"

हैं, उनको प्रसन्न कराने बिना

"आध्यात्मिक प्रगती" की शुरुवात

ही नहीं हो सकती है,

~~बाबा स्वामी~~

~~27/9/15~~



🌸 यश 🌸

29.9.15

अपने "भाई" और "बहन"  
से सम्बन्ध अटके होने पर  
ही जिवन मे "यश" मिलता  
है, यश मेरा ६० साल  
का "निर्जा" अनुभव है,

बाबा स्वामी

29/9/15



❀ दृष्टीकोण ❀

30.9.15

आप का दृष्टीकोण अगर  
सभी के प्रति नकारात्मक

है, तो समझो कीसी

नकारात्मक शक्ति ने आपको

जकड लाया है।

बाबा (वामन)

30/9/15